सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 218 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 14 सितम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

मांगना मरने के बराबर है, इसलिए किसी से भीख मत मांगो। सतगुरु कहते हैं कि मांगने से मर जाना बेहतर है, अर्थात पुरुषार्थ से स्वयं चीजों को प्राप्त करो, उसे किसी से मांगो मत।

-कबीर दास

जिद...सच की

राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ... 7 | बिहार में सियासत की यात्रा पर... 3 | पीड़ित परिवार के साथ नहीं... 2

एक बार फिर विपक्ष का पीएम मोदी व एनडीए सरकार पर प्रहार

कांग्रेस बोली- जल्द गिर जाएगी केंद्र की सरकार

» शिवसेना यूबीटी ने सामना में बीजेपी की बखिया उधेड़ी

» एनसीपी अजित गुट का इशारों-इशारों में भाजपा पर निशाना

» आप, राजद व कांग्रेस ने भी किया जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहले झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन उसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शीर्ष न्यायालय द्वारा जमानत मिलने के बाद देश की सियासत में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। विपक्ष के निशाने पर भाजपा व पीएम मोदी हैं ही उनके सहयोगी भी उनको घेरने लगे हैं। सियासी गलियारों में तो यह भी चर्चा होने लगी है हरियाणा चुनाव के बाद एनडीए सरकार पर खतरा बढ़ जाएगा और पीएम मोदी को अपनी कुर्सी छोड़नी पड़ेगी।

इस बीच आप, यूबीटी शिवसेना, राजद व कांग्रेस ने एनडीए सरकार के गृहमंत्री से इस्तीफा भी मांगना शुरू कर दिया है। वहीं महाराष्ट्र में विपक्षी गुट एमवीए लगातार सरकार पर हमलावर है। अब शिवसेना (उद्धव गुट) ने एनडीए की केंद्र सरकार पर हमला बोला है। दरअसल शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए मणिपुर हिंसा पर पीएम मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। सामना के जरिए शिवसेना (यूबीटी) ने मोदी सरकार पर मणिपुर हिंसा को रोकने में नाकामयाब रहने का आरोप लगाया है।

मणिपुर हिंसा पर मोदी सरकार के मुंह में दही जमा : उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए मणिपुर हिंसा पर पीएम मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। सामना के जरिए शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि मोदी सरकार रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए कबूतर उड़ा रही है, लेकिन मणिपुर में लगातार हो रही हिंसा पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। इसमें यह भी कहा गया कि मणिपुर हिंसा पर मोदी सरकार के मुंह में दही जम गया है। सामना में कहा गया कि पिछले डेढ़ साल से मणिपुर हिंसा की चपेट में है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार कुछ नहीं कर रहीं। लेख में कहा गया कि इस हिंसा में 200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं और केंद्र ने जनता को बीरेन सिंह और मणिपुर से असम भाग चुके राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के हवाले कर दिया।

कुछ लोग खास समुदाय को निशाना बना रहे : अजित पवार

अजित पवार ने भाजपा पर निशाना साधा है। एक पार्टी के कुछ लोग एक खास समुदाय को निशाना बनाकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। एनसीपी ऐसी भाषा का कड़ा विरोध करती है। अजित पवार का निशाना भाजपा विधायक नितेश राणे पर था जिन्होंने हिंदुओं के साथ ही व्यापारिक लेन-देन करने की बात कही थी। अजित पवार जाहिर तौर पर भाजपा विधायक नितेश राणे का जिक्र कर रहे थे, जिन्हें हाल ही में एक वीडियो में एक सभा में यह कहते हुए सुना गया था कि लोगों को केवल हिंदुओं के साथ ही व्यापारिक लेन-देन करना चाहिए।

विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन होगा : पृथ्वीराज

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन होगा और इसका असर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की स्थिरता पर भी पड़ेगा। चव्हाण ने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में महिलाएं केवल लड़की बहिण योजना के कारण भाजपा को वोट नहीं देंगी। केंद्र सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी, किसान संकट, भ्रष्टाचार पर कोई ध्यान नहीं दिया है। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) का एमवीए गठबंधन भ्रष्टाचार को मिटाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने के लिए रची साजिश : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने के लिए साजिश रची गई थी। संजय सिंह ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देते हुए जो लिखा, उससे साबित होता है कि यह नरेंद्र मोदी और अमित शाह की साजिश थी। यह कुचक्र आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति को खत्म करने के लिए रचा गया था। लेकिन केजरीवाल के नेतृत्व में हमारी पार्टी मजबूती के साथ खड़ी उन्होंने कहा, कल एक बेहद शर्मनाक वीडियो सामने आया, जिसमें देश के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल रूस के राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूक्रेन जाने को लेकर सफाई दे रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक है। इससे देश के 144 करोड़ लोगों का सिर शर्म से झुक गया।

वित्तमंत्री सीतारमण पर भड़के स्टालिन

व्यवसायी के माफी मांगने पर गहराया विवाद

» तमिलनाडु के सीएम बोले- ये शर्मनाक है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में व्यवसायी के केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से माफी मांगने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। अब तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी इसे लेकर बयान दिया है और केंद्रीय वित्त मंत्री की आलोचना की। शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि जिस तरह से केंद्रीय वित्त मंत्री ने स्थिति को संभाला, वह बेहद शर्मनाक है क्योंकि व्यवसायी ने जीएसटी को लेकर सही मांग की थी। हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कोयंबटूर के दौरे पर गई थी।

उस दौरान मशहूर रेस्तरां चेन श्री अन्नपूर्णा रेस्तरां के मालिक श्रीनिवासन ने जीएसटी की जटिलता की शिकायत वित्त मंत्री से की। व्यवसायी ने कहा कि मिठाई पर जीएसटी 5 प्रतिशत है, जबकि नमकीन पर 12 प्रतिशत। उनकी बातों को वित्तमंत्री ने हंसकर गौर करने को कहा।

भाजपा की मीडिया सेल के समन्वयक के अकाउंट से एक वीडियो हुआ था साझा

भाजपा की मीडिया सेल के समन्वयक के अकाउंट से एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें व्यवसायी श्रीनिवासन केंद्रीय वित्त मंत्री से माफी मांगते नजर आ रहे हैं। इस दौरान श्रीनिवासन ने वित्त मंत्री से उन्हें माफ करने की विनती की और स्पष्ट किया कि वह किसी राजनीतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि इस वीडियो के सामने आते ही इसकी आलोचना शुरू हो गई और यूजर्स ने इसे व्यवसायी का अपमान बताया है।

सीपीआईएम कार्यालय पहुंचकर सोनिया गांधी ने सीताराम येचुरी को दी श्रद्धांजलि

» शरद पवार समेत कई नेता भी पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीपीआईएम नेता सीताराम येचुरी का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए उनके दिल्ली स्थित आवास से पार्टी कार्यालय लाया गया है। सीताराम येचुरी का 12 सितंबर को इलाज के दौरान दिल्ली एम्स में निधन हो गया था। वह सांस संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। वामपंथी नेताओं का पार्टी कार्यालय पहुंचना शुरू हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन भी सीताराम येचुरी के अंतिम दर्शनों के लिए दिल्ली स्थित सीपीआईएम कार्यालय पहुंचे हैं।

कांग्रेस संसदीय समिति की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सीपीआईएम कार्यालय पहुंचकर सीताराम येचुरी को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता जैसे जयराम रमेश, राजीव शुक्ला और अजय माकन आदि भी मौजूद रहे। पूर्व गृह मंत्री पी.चिदंबरम ने भी सीताराम येचुरी के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। येचुरी का पार्थिव शरीर आज यानी शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक सीपीआईएम कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रहेगा। इसके बाद उनके शव को उनकी इच्छा के मुताबिक मेडिकल रिसर्च के लिए एम्स को सौंप दिया जाएगा। सीताराम येचुरी का गुरुवार दोपहर 3:05 बजे 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार ने उनके पार्थिव शरीर को शिक्षण और शोध उद्देश्यों के लिए एम्स, नई दिल्ली को दान कर दिया। सीताराम येचुरी को पहले 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था।

पीड़ित परिवार के साथ नहीं होने देंगे अन्याय : अखिलेश

मंगेश यादव के परिजनों से मिले सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगेश यादव के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को आश्वासन दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बीजेपी की योगी सरकार पर भी जमकर हमला बोला। अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। मालूम हो कि मंगेश सुल्तानपुर लूट का आरोपी था जिसकी पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई थी।

अखिलेश यादव लगातार ही इस एनकाउंटर को हत्या बता रहे हैं। उनका आरोप रहा है कि कि मंगेश को उसके घर से उठाकर उसकी हत्या करी गई है। दूसरी तरफ गुरुवार को यूपी डीजपी ने पत्रकार वार्ता करके मंगेश के एनकाउंटर में शामिल होने के तथ्य दिए। साथ ही बताया कि उसका कैसे एनकाउंटर हुआ। इधर अखिलेश यादव का कहना है कि मंगेश यादव को पुलिस ने घर से उठाकर फर्जी एनकाउण्टर में हत्या कर दी। मंगेश के शोकाकुल पिता, मां और बहन ने अखिलेश यादव को पुलिस द्वारा उत्पीड़न किए जाने की भी जानकारी दी। जौनपुर के गांव अगरौरा थाना बक्सा से आए मंगेश यादव के पिता राकेश यादव, मां शीला देवी और बहन प्रिंसी यादव के ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। सुल्तानपुर के सर्राफ की दुकान पर 28 अगस्त 2024 को लूट हुई थी। 2 सितम्बर 2024 की रात दो बजे पुलिस मंगेश को घर से उठाकर ले गई। 3-4 सितम्बर 2024 को दिन में पुलिस घर आई और कहा कि पूछताछ हो रही है। तुम्हारा लड़का छोड़ दिया जाएगा। 5 सितम्बर 2024 को उसकी पुलिस अभिरक्षा में फर्जी एनकाउण्टर में हत्या कर दी गई। पुलिस वालों ने कहा जाओ सुल्तानपुर के पोस्टमार्टम हाउस में लाश ले आओ।

परिजनों ने कहा- पुलिस ने जबर्दस्ती दबाव डाला

पीड़ित परिवारीजनों ने बताया कि पुलिस ने जबर्दस्ती दबाव डालकर वीडियों बनाया है जिसमें झूठ के सिवा कुछ नहीं है। जो वीडियो पुलिस प्रसारित कर रही है उसमें दबाव में उनसे मनमाफिक बयान दिलवाया गया है। पूरा गांव सच्चाई बता रहा है। मंगेश को जबरदस्ती अपराधी बताकर पुलिस एनकाउण्टर कर वाहवाही लूट रही है।

डकैती सच्ची पर एनकाउंटर झूठा है : राकेश टिकैत

भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध से ज्यादा एनकाउंटर हो रहे हैं। सुल्तानपुर की घटना को लेकर कहा कि डकैती सच्ची लेकिन एनकाउंटर झूठा है। सुल्तानपुर पहुंचे राकेश टिकैत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जितना अपराध नहीं है, उससे ज्यादा एनकाउंटर हो रहे हैं। यूपी में बुलडोजर की कार्रवाईयों को लेकर कहा कि अभी तो योगी दिल्ली जाएंगे और पूरे देश में बुलडोजर चलवाएंगे। चीफ जस्टिस के घर पर प्रधानमंत्री के गणेश पूजा करने के प्रश्न पर कहा कि प्रधानमंत्री ये संदेश देना चाहते हैं कि सारी चीजें उनके काबू में हैं। उन्होंने ये भी कहा कि सत्तासीन पर बुलडोजर कम चल रहे, दूसरों पर ज्यादा चल रहे हैं। इंसाफ बिल्कुल ठीक हो तो कोई दिक्कत नहीं। टिकैत ने किसानों को संगठित होने और अपने अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन अगर बात नहीं सुन रहा है तो किसान धरना प्रदर्शन करें।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण का हो रहा दुरुपयोग : मायावती

बोलीं-नई परंपरा की शुरुआत भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर की है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। बसपा सुप्रीमो ने आर्थिक आधार पर 10 फीसदी आरक्षण दिए जाने की नई व्यवस्था का दुरुपयोग होने का आरोप लगाया है। उन्होंने उपचुनाव के संबंध में जारी अपनी बुकलेट में लिखा कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को सामाजिक व शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर मिल रहे संवैधानिक अधिकारों के विरुद्ध आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण देने की नई परंपरा की शुरुआत भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर की है।

आरक्षण का यह नया अध्याय गरीबी उन्मूलन की सरकारी स्कीम है। इस व्यवस्था का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। यह रोग आईएएस अफसरों तक फैल जाने से पूरी व्यवस्था ही कटघरे में खड़ी हुई नजर आ रही है। यह गवर्नेंस के मामले में शर्मिंदा होने वाली बात है।

जूता सिलने की मशीन देना कांग्रेस का सामाजिक बदलाव

बसपा प्रमुख ने लिखा कि हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा जूता मरम्मत का स्वरोजगार करने वाले व्यक्ति की दुकान पर जाना और बाद में उसे जूता सिलाई की मशीन भिजवाना सामाजिक बदलाव का बड़ा कदम बताया गया। बसपा और अन्य दलों की सोच में यही अंतर है। ये लोग हाथ की जगह मशीन से जूता मरम्मत करवाने को सामाजिक बदलाव का बड़ा काम मानकर चलते हैं, जबकि बसपा का सामाजिक परिवर्तन का मिशन कहता है कि जूता मरम्मत या सफाई आदि का कार्य एक जाति विशेष का व्यक्ति ही अपने जन्म के आधार पर क्यों करे।

अवैध घुसपैठ पर झारखंड में भ्रम पैदा कर रही भाजपा : भट्टाचार्य

जेएमएम बोलीं- चुनाव आते ही बीजेपी ऐसे मुद्दे उठाती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की घुसपैठ को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों के कारण सांप्रदायिक जनसांख्यिकी के बारे में बात कर रही है। राज्य में भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है।

भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने कल हमारे राज्य में घुसपैठ को लेकर हाईकोर्ट में चल रहे मामले में एक हलफनामा दायर किया है। हमने उस हलफनामे को भी पढ़ा है। अगली सुनवाई से पहले बीजेपी का बयान आया कि जनसांख्यिकी बदल गई है, बांग्लादेशी घुसपैठ हुई है।

अनुच्छेद 370 है जम्मू कश्मीर के लोगों के दिल की धड़कन : फारूक

बोले- ईश्वर की इच्छा से यह निश्चित रूप से आएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू कश्मीर के लोगों के दिल की धड़कन है तथा उसे बहाल किया जाएगा। अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही कि केंद्र द्वारा पांच अगस्त, 2019 को निरस्त किया गया अनुच्छेद 370 कभी बहाल नहीं होगा।

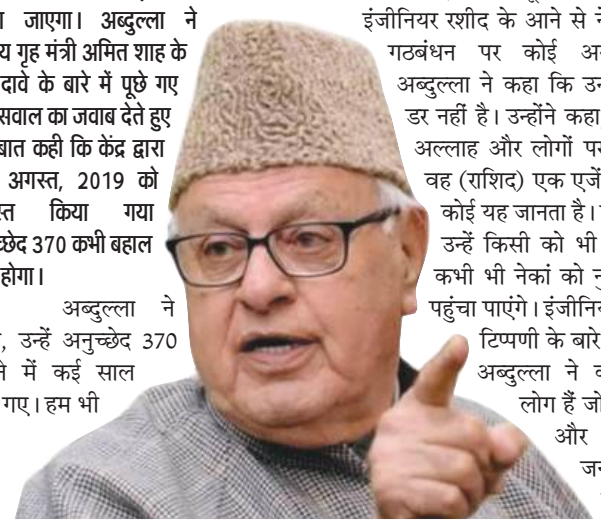

अब्दुल्ला ने कहा, उन्हें अनुच्छेद 370 हटाने में कई साल लग गए। हम भी इसे वापस लाएंगे, क्योंकि अनुच्छेद 370 और 35ए जम्मू-कश्मीर के लोगों के दिल की धड़कन हैं। ईश्वर की इच्छा से यह निश्चित रूप से आएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या इंजीनियर रशीद के आने से नेकां-कांग्रेस गठबंधन पर कोई असर पड़ेगा, अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें किसी से डर नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे अपने अल्लाह और लोगों पर भरोसा है। वह (राशिद) एक एजेंट हैं और हर कोई यह जानता है। उन्होंने कहा, उन्हें किसी को भी लाने दें, वे कभी भी नेकां को नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। इंजीनियर रशीद की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने अब्दुल्ला ने कहा, येवही लोग हैं जो कभी जम्मू और कश्मीर में जनमत संग्रह चाहते थे।

चुनाव के बाद भाजपा के साथ जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट करे इंजीनियर रशीद : उमर

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के नेता उमर अब्दुल्ला ने बारामूला के लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद से यह स्पष्ट करने को कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर चुनाव के बाद भाजपा को जरूरत पड़ी तो क्या उनकी पार्टी उसका समर्थन करेगी। इंजीनियर रशीद नाम से लोकप्रिय आवामी इत्तेहाद पार्टी के सुप्रीमो शेख अब्दुल रशीद दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद थे और उन्हे विधानसभा चुनाव के वास्ते प्रचार करने के लिए बुधवार को अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया। अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के देवासर क्षेत्र में चुनावी सभा के बाद संवाददाताओं से कहा, कल एक सेमिनार में जब रशीद से पूछा गया कि क्या चुनाव के बाद वह भाजपा का समर्थन करेंगे तो वह चुप हो गए। वह साफ-साफ क्यों नहीं कहते कि चुनाव के बाद वह भाजपा का किसी भी तरह से समर्थन नहीं करेंगे। नेका उपाध्यक्ष अब्दुल्ला ने कहा, इंजीनियर रशीद ने कल शायद कहा था कि अगर मैं उनके साथ दिल्ली वापस चलने को तैयार हो जाऊंतो वह हमारे पक्ष में मैदान छोड़ देंगे। आज, मैं कहता हूं कि जिस दिन उन्हे तिहाड़ जेल वापस जाना होगा, मैं उन्हे साथ में वहां छोड़ने जाऊंगा। उन्हे मैदान छोड़ घर बैठ जाना चाहिए।

वोट के जरिए किसी को जेल से बाहर निकाल सकते हैं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई मामले में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि बारामूला के लोगों से कहा गया है कि वे अपने वोट के जरिए किसी को जेल से बाहर निकाल सकते है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वोट के जरिए कोई बाहर नहीं आता है, वे सिर्फ न्यायालय के माध्यम से बाहर आते है।

जम्मू-कश्मीर में पथराव शुरू करवाना चाहता है विपक्ष : ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत के बीच जम्मू-कश्मीर की सियासी जंग में अनुच्छेद-370 को लेकर तकरार बढ़ने लगी है। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष पाकिस्तान से जितनी मर्जी मदद मांग ले, मगर 370 नहीं लौट पाएगा। कांग्रेस पीएसए समाप्त कर आतंकवाद और पत्थरबाजी का दौर शुरू करना चाहती है।

ध्रुवीकरण के सवाल पर कहते हैं कि हमारा तो मूल मंत्र ही सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास है। तोड़ने की सियासत तो कांग्रेस, नेशनल कांग्रेस और पीडीपी करती है। यह विपक्ष की मंशा है और वे लोग पाकिस्तान की मदद मांग रहे हैं। विपक्षी चाहे जितनी मर्जी मदद मांग लें। वोट यहां की जनता देगी। अब यहां कोई खूनखराबा और आतंकवाद नहीं देखना चाहता है। अनुच्छेद-370 की वजह से आतंकवाद और अलगाववाद को ही बढ़ावा मिला। वर्ष 2019 तक हमारे 45 हजार लोगों और सैनिकों की जान गई। कांग्रेस और उनके सहयोगी 370 को वापस लाना चाहते हैं और पीएसए को समाप्त कर आतंकवाद व पत्थरबाजी का दौर शुरू करना चाहते हैं। मेरा सवाल है कि कितनी और जानें लेने का संकल्प कांग्रेस पार्टी लेकर चल रही है।

बिहार में सियासत की यात्रा पर नेताजी!

- जदयू, राजद, पीके सभी ने निकाली जनयात्रा
- यात्रा के बहाने लोगों व कार्यकर्ताओं से जुड़ने की जुगत
- सभी दलों की नजर विस चुनाव 2025 पर
- विपक्ष ने अपराध, शराबबंदी व बेरोजगारी पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

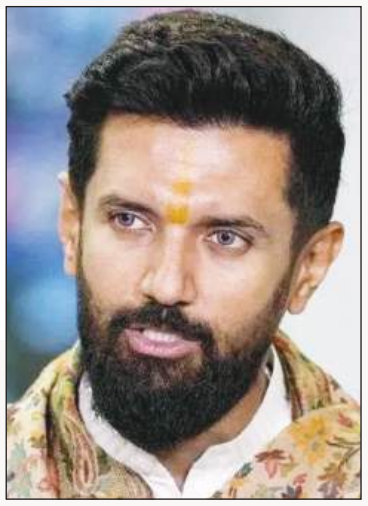

पटना। बिहार की राजनीति में पलटू सियासत के बाद यात्रा करने वाली सियासत हो रही है। यात्रा के नाम पर सबसे पहले नीतीश कुमार ने पूरे राज्य जनभागीदारी शुरू की थी। उसके बाद नई पार्टी बनाने वाले पीके ने जनसुराज यात्रा से बिहार के मतदाताओं को अपनी ओर खींचने का प्रयास किया तो अब राजद नेता तेजस्वी आभार यात्रा निकाल कर अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं व आम जन को अपनी ओर आकर्षित कर चुके हैं। वहीं चिराग पासवान ने भी यात्रा के जरिये लोगों को अपनी ओर लाने का प्रयास किया था। किसकी यात्रा कारगर रही यह तो 2025 के विधानसभा चुनाव के परिणाम ही बताएंगे।

उधर जहां राजद नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री सीएम नीतीश व भाजपा पर हमलावर है तो वहीं जदयू नेता भी तेजस्वी यादव को घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं के लिए पटना मुख्यालय से ही एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा, जिसमें लोग अपनी समस्या डाल देंगे। इस पर कार्रवाई होगी। पटना लौटते ही वह इस ग्रुप एक्टिव करते हुए कार्यकर्ताओं से संवाद करते रहेंगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का समस्तीपुर में दो दिवसीय कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कार्यक्रम समाप्त हो गया। संवाद कार्यक्रम से बाहर निकले तेजस्वी यादव ने कहा कि दो दिनों तक कार्यकर्ताओ से सकारात्मक बातचीत हुई। राजद और बिहार को काफी आगे ले जाना है। कार्यकर्ताओं ने दल को मजबूती प्रदान करने के लिए कई सुझाव दिए हैं।

शराबबंदी पर कुछ लोग सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं : श्रवण कुमार

बिहार के राजनीतिक माहौल में एक बार फिर गरमाहट देखने को मिली है। राज्य के मंत्री श्रवण कुमार ने नालंदा में विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने जन स्वराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के शराबबंदी कानून को खत्म करने के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मंत्री कुमार ने कहा, कुछ लोग सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं। लेकिन समाज राजनीति से नहीं, बल्कि समाज की बुराइयों को दूर करने से चलता है। उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा, गांधीजी ने कहा था कि अगर उन्हें एक क्षण के लिए भी तानाशाह बनना पड़े तो वे सबसे पहले शराब जैसी बुराइयों को खत्म कर देंगे। मंत्री कुमार ने आगे कहा, देश की आधी आबादी चाहती है कि शराबबंदी हो और समाज नशामुक्त हो। जो लोग राष्ट्रपिता के सपनों को चकनाचूर करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें कौन समझाए? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। यादव ने दावा किया था कि उनके पास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक वीडियो है, जिसमें वे सरकार बनाने के लिए गिड़गिड़ा रहे थे। इस पर मंत्री कुमार ने कहा, नीतीश कुमार जी ने आज तक किसी के सामने गिड़गिड़ाया नहीं है। उनका सपना बिहार की तरक्की, शांति और अमन का है।

शराबबंदी कानून पूरी तरह से विफल : राजद

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार सरकार की शराबबंदी नीति पर तीखा प्रहार किया। गुरुवार को जिला कार्यालय में राजद के जिला प्रवक्ता धनंजय कुमार और दीपक कुमार सिंह ने वर्तमान सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। प्रवक्ताओं ने 2015 के महागठबंधन सरकार का स्मरण कराते हुए कहा, तब हमने कहा था मदिरालय नहीं, विद्यालय चाहिए। शराब नहीं, किताब चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में शराबबंदी कानून पूरी तरह से विफल हो चुका है। दीपक कुमार ने कहा, शराबबंदी के नाम पर गरीबों और दलितों को जेल भेजा जा रहा है। जबकि वास्तविक अपराधी खुले आम घूम रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में सरकार के एक मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री ने भी इस नीति पर सवाल उठाए हैं। राजद नेताओं ने नालंदा जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां जदयू के एक प्रखंड अध्यक्ष को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी एक पूर्व प्रखंड अध्यक्ष इसी आरोप में गिरफ्तार हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे बिहार में सत्ता के संरक्षण में शराब का अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। यह एक समानांतर अर्थव्यवस्था बन गई है, जो सरकार की नाकामी को दर्शाती है। राजद नेताओं ने 2025 के चुनाव का जिक्र करते हुए वादा किया कि अगर तेजस्वी यादव की सरकार बनती है, तो हर परिवार को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। उन्होंने कहा, आज बिहार का हर वर्ग नौजवान, बेरोजगार, किसान, मजदूर, महिलाएं सब तेजस्वी जी की ओर आशा भरी नज़रों से देख रहे हैं। अंत में, उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध पर चिंता व्यक्त की और सरकार को इसे रोकने में विफल बताया।

भाजपा के झूठ का पर्दाफाश किया जाएगा : तेजस्वी

भाजपा के द्वारा आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा बड़का झूठा पार्टी है। ये लोग सिर्फ लोगों को गुमराह करते हैं। इनका और कोई दूसरा काम नहीं है। हम लोग बिहार को आगे ले जाने की बात कर रहे हैं। आभार यात्रा के तहत समस्तीपुर में तेजस्वी यादव ने समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। करीब चार घंटे तक शहर के कर्पूरी सभागार में चल रहे इस कार्यक्रम में पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं को ज्यादा तरजीह दी गई।

कार्यकर्ताओं ने कल्याणपुर के साथ ही वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र में लोकल उम्मीदवार देने की बात कही। कार्यकर्ताओं का कहना था कि राजद इन विधानसभा क्षेत्र में अपने सिंबल पर चुनाव लड़े। पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं ने उन्हें जिला कमेटी के लोगों द्वारा तरजीह नहीं दिए जाने का भी मुद्दा उठाया। कार्यकर्ता संवाद के दूसरे दिन समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र के समस्तीपुर विधानसभा के अलावा कल्याणपुर वारिसनगर और रोसरा विधानसभा क्षेत्र के कार्य करता तेजस्वी के कार्यक्रम में पहुंचे थे।

पार्टी को मजबूत करने की कोशिश

कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम से निकले वारिसनगर के एक पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि तेजस्वी यादव ने इन सभी सीटों पर कम बैक को लेकर फीडबैक लिया। जिस पर उन्होंने कहा कि इन सीटों पर राजद अपने सिंबल पर लोकल उम्मीदवार उतारने तो बात बन सकती है। इस दौरान एक कार्य करता द्वारा कल्याणपुर से एक उम्मीदवार के नाम की भी बात की गई । जिस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि वह अभी टिकट बांटने नहीं आए हैं बल्कि पार्टी को मजबूत करने के लिए आए हैं। कार्यकर्ता संवाद के दौरान समस्तीपुर से राजद विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन भी पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं के निशाने पर है। पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं का कहना था कि जब कार्यकर्ता उनके घर मिलने के लिए पहुंचते हैं तो उन्हें दिन के 11-12 बजे तक इंतजार करना पड़ता है। वह जल्द निकलते ही नहीं। जिस पर तेजस्वी यादव ने विधायक से समय निर्धारित करने की बात कही। अल्लाह किस दौरान कई कार्य करता भी अपनी बात रखना चाह रहे थे लेकिन समय अभाव के कारण उन्हें मौका नहीं मिला जिसमें अधिकतर जितवारपुर के कार्यकर्ता बताएं गए हैं। महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी भी देखने लायक मिली। इस संसदीय क्षेत्र में सिर्फ समस्तीपुर सीट पर राजद का कब्जा है। इसके अलावा कल्याणपुर वारिसनगर और रोसरा विधानसभा सीट पर एनडीए का कब्जा है। हालांकि इन सभी सीटों पर कभी महागठबंधन का कब्जा हुआ करता था। कल्याणपुर अशोक वर्मा के बाद राजद की जीत नहीं हुई। वही बारिश नगर में राजद के भिखर बैठा आखिरी विधायक थे। वही रोसरा विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से कांग्रेस का कब्जा था।

सीएम नीतीश कुमार ने पार्टी में किया बदलाव

जनता दल यूनाइटेड ने विभिन्न प्रकोष्ठों में नए अध्यक्ष और प्रभारियों की नियुक्ति की है। इस बात की जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पत्र जारी कर दी है। इस क्रम में भारती मेहता को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री डॉ. रंजू गीता को प्रभारी बनाया गया है। पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। मनीष कुमार युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वशिष्ठ सिंह प्रभारी बने हैं। राधेश्याम को छात्र जदयू के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है, जबकि विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव छात्र प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी बनाये गये हैं। अशरफ अंसारी को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं मेजर इकबाल हैदर प्रभारी होंगें। यह भी हैं सूची में राजेश त्यागी को अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है, जबकि पूर्व विधायक अरुण मांझी इसके प्रभारी बनाये गये हैं। सुरेंद्र उरांव को अनुसूचित जनजाति का प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। मनोज कुमार किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बनाये गये हैं, जबकि डॉक्टर एन ल बी सिंह को चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। धनजी प्रसाद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बनाये गये हैं, जबकि विधान पार्षद ललन सर्राफ को प्रभारी का दायित्व दिया गया है। राम चरित्र प्रसाद को तकनीकी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। सुनील कुमार को शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और नीतीश पटेल को मीडिया प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रदूषण घटाकर बढ़ा सकते हैं मानव जीवन!

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है।

पिछले कुछ सालों से दिल्ली के लोग वायु प्रदूषण की वजह ये जान से हाथ धोने को मजबूर हो गए थे। रिपोर्टें ऐसी आई थी जिसमें कहा गया था कि राजधानी के लोगों की जीने की औसत आयु कम होने लगी है। छोटे-छोटे बच्चों में सांस लेने की समस्याएं बढ़ रही थीं। सबसे बड़ी बात तो यह थी जन्म लेने से पहले ही शिशु मां के गर्भ में ही प्रदूषण की चपेट में आने लगे थे। पर एक खुशी देने वाली खबर आई है जिसमें ऐसी रिपोर्ट आई है कि राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इसक अर्थ यह हुआ अब हमे सार्वजनिक परिवहन पर ध्यान देना होगा और सरकारों को इस दिशा में दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है। यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। अब सरकारों के साथ आम लोगों की भी जिम्मेदारी हैं कि प्रदूषण को रोकने में सहयोग करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्या देश ने सुनी झोली में भरे पदकों की खनक

नरेश कौशल

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कामयाबी की नई इबारत लिखते हुए सात सोने के तमगों समेत 29 पदक हासिल किये। पदकों की यह नफरी पिछले टोक्यो पैरालंपिक में मिले पदकों से दस पदक ज्यादा रही। साल 2016 से पैरालंपिक में भाग लेना शुरू करने वाले भारत की यह कामयाबी अभूतपूर्व है। इस साल के पेरिस ओलंपिक में जहां हमारे खिलाड़ी एक अदद सोने के तमगे के लिये तरसते रहे, वहीं पैरा खिलाड़ियों ने सात चमचमाते सोने के तमगे भारत की झोली में डाल दिए। इसके अलावा नौ चांदी के व 13 कांस्य पदक भी इस कामयाबी में इसमें शामिल हैं। इस काबिले तारीफ प्रदर्शन के बूते भारत पेरिस पैरालंपिक में पूरी दुनिया में 18वें स्थान पर रहा। जबकि पेरिस ओलंपिक में हमें एक रजत व पांच कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में 71 वें स्थान पर रहना पड़ा था। जबकि हमारा चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान सिर्फ एक स्वर्ण तमगे के बूते 62वें स्थान पर जा पहुंचा था। लेकिन इन आंकड़ों के बावजूद पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन करके भारत लौटे खिलाड़ियों के प्रति हमने जैसा ठंडा व्यवहार किया, वो कहीं न कहीं पैरा खिलाड़ियों के मनोबल को कम करने वाला ही कहा जाएगा।

भारत जैसे देश में, जहां आम खिलाड़ियों के लिये भी ठीक-ठाक खेल सुविधाएं छोटे शहरों व ग्रामीण इलाकों में नहीं हैं, तो दिव्यांग खिलाड़ियों की जरूरत के हिसाब से तो ऐसी पर्याप्त सुविधाएं होना दूर की कौड़ी ही कही जाएगी। स्टेडियमों में व्हील चेयर वाले खिलाड़ियों के लिये रैंप तक जाने की व्यवस्था कम ही होती है। उनके लिये शौचालयों व अन्य सुविधाओं का अभाव होता है। वैसे भी उनका निजी जीवन का संघर्ष काफी बड़ा होता है। परिवारों में भी उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। समाज उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करता है। उन्हें या तो दोयम नजरिये से देखता है या दया का पात्र मान लेता है।

पैरालंपिक में गए खिलाड़ियों के दल में तमाम कहानियां ऐसी हैं, जो हैरत में डालती हैं कि उनका संघर्ष कितना बड़ा था। कोई गंभीर दुर्घटना से दिव्यांग बना तो कोई असाध्य बीमारी से शारीरिक अपूर्णता का शिकार हुआ। किसी ने जन्मजात अपूर्णता पायी तो कोई गलत इलाज से अभिशप्त जीवन जीने को मजबूर हुआ। लगातार दो पैरालंपिक में भाला फेंक में सोने का तमगा जीतने वाले हरियाणा के सुमित अंतिल को एक दुर्घटना के चलते एक पैर कटवाना पड़ा।

सड़क दुर्घटना में शरीर के निचले हिस्से को निष्क्रिय पाने वाले अवनि लेखरा ने फिर दूसरी बार सोने का तमगा हासिल किया। करंट लगने से शारीरिक अपूर्णता से ग्रस्त होने वाले कपिल परमार ने पहली बार भारत को जूडो में पदक दिलाया। बिना हाथों के जन्म लेने वाली शीतल देवी का संघर्ष कितना बड़ा रहा, सोच कर हैरानी होती है। उसने पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक जीता। ऐसे में देखें तो पैरालंपिक खिलाड़ियों का संघर्ष सामान्य ओलंपिक खिलाड़ियों से कई गुना ज्यादा है। भारत के 84 सदस्यीय दल ने पैरालंपिक इतिहास में ट्रैक स्पर्धाओं में 17 पदक जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं पेरिस ओलंपिक में 110 सामान्य खिलाड़ियों का दल सिर्फ एक रजत समेत छह पदक ही जीत पाया था।

एक बात तो तय है कि इतनी बड़ी संख्या में पदक जीतने वाले पैरालंपिक खिलाड़ियों को देश लौटने पर जो सम्मान दिया जाना था, वो हमने नहीं दिया। ऐसा लगा कि सरकारों से लेकर मीडिया तक को जो तरजीह इन खिलाड़ियों को देनी चाहिए थी, वो नहीं दी गई। जिस तरह सामान्य पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में हम जुटे रहे, वैसा उत्साह पैरा खिलाड़ियों के प्रति हमने नहीं दिखाया। इन खिलाड़ियों ने अपने जीवन के कठिन संघर्ष के बावजूद देश का जो सम्मान बढ़ाया, उसका प्रतिसाद देने में हम चूके हैं। उनके लिये सरकार व निजी क्षेत्रों द्वारा वैसे पुरस्कारों की घोषणा नहीं हुई और न ही उनके लिये नौकरियों व अन्य सुविधाओं के अवसर मुहैया कराये गये। सात स्वर्ण पदक जीतना छोटी कामयाबी नहीं थी। नौ चांदी के तमगों की चमक कम नहीं होती। विडंबना यह कि उन्हें परंपरागत मीडिया व सोशल मीडिया पर वैसा सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। यदि खिलाड़ियों के स्तर पर ऐसा भेदभाव न होता तो नये खिलाड़ियों में भी पैरा खेलों में भाग लेने का जुनून पैदा होता। इन खिलाड़ियों को, जिनका निजी व सार्वजनिक जीवन में संघर्ष बहुत बड़ा है, पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। इन्होंने तमाम विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए देश का नाम रौशन किया।

सच्चे अर्थों में, आज देश को दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति अधिक संवेदनशील होने व उनके प्रति ज्यादा सम्मान का भाव रखने की जरूरत है। उन्हें दया नहीं, प्रोत्साहन की जरूरत है। हमें ऐसी प्रतिभाओं को पहचान कर स्कूल स्तर से ही उनके पसंद के खेलों के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उनमें आत्मगौरव का भाव भरने की जरूरत होती है ताकि उन्हें पैरालंपिक जैसी स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिये प्रेरित किया जा सके।

बालमन से विध्वंस की धुंध साफ करने का वक्त

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

पिछले दिनों बिहार के सुपौल से एक दहकती हुई खबर आयी- 'बैग में पिस्तौल लेकर स्कूल पहुंचा नर्सरी का बच्चा, तीसरी कक्षा के छात्र पर चलाई गोली।' कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र की गंगापुर कालोनी की एक हालिया खबर है कि यहां प्रयाग विद्या मंदिर में 10वीं के छात्र ने कक्षा में सहपाठी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। ऐसे समाचार हमें बेचैन कर देते हैं, जहां बच्चे या किशोर किसी हिंसा अथवा गंभीर अपराध की दिशा में अग्रसर होते दिखते हैं। मन में स्वाभाविक सवाल उठता है कि जिस बालमन में रंग-बिरंगी कल्पना और जिज्ञासाओं का निवास होना चाहिए, वहां अपराध की दखलअंदाजी क्यों? मानते हैं कि किशोरावस्था की ओर बढ़ते बच्चों में तेजी से हार्मोनल परिवर्तन होते हैं। इस स्थिति में फिल्मों और टेलीविजन में दिखाए जाने वाले दृश्य उनके दिमाग में बैठ जाते हैं और वे उसी तरह प्रतिक्रिया देने लगते हैं। बालहिंसा के प्रकरण भी ऐसे किसी दृश्य के नकल के दुष्परिणाम होते हैं।

दरअसल, ऐसी घटनाओं के पीछे और भी कई उलझे मनो-सामाजिक द्वंद्व होते हैं। पहले किशोरावस्था की दिशा में बढ़ते बच्चों में हार्मोनल परिवर्तन की आयु 12 वर्ष के आसपास शुरू होती थी, तब किन्हीं बच्चों में 'एनिमल इंस्टिंक्ट्स' प्रबल हो जाया करते थे। ये गुस्सैल, आक्रामक, चिड़चिड़े और आत्मनियंत्रण में कमजोर होते थे। मगर अब जो निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, उनके अनुसार झंझावात की अवस्था डेढ़-दो वर्ष पहले ही आने लगी है। इसका कारण है- प्रकृति से कटा कृत्रिम जीवन, भौतिकवाद से उपजी जीवनशैली, रेडीमेड खानपान, बच्चों में बढ़ता अकेलापन और सूचना विस्फोट।

सुपौल वाली घटना का बच्चा तो मात्र पांच साल का है। संभवत: यह उन बच्चों में से हो सकता है जो अपना अधिक समय टीवी के आगे या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिता रहे हैं। इस श्रेणी में निम्नवर्ग के बच्चे भी शामिल हैं। इनके परिवार में स्मार्टफोन भले ही न हो, लेकिन अपने मध्यवर्गीय मित्रों के बीच यह भी मोबाइल में उपलब्ध वयस्क कंटेंट या क्राइम थ्रिलर का मजा लेने में पीछे नहीं रहते हैं। फिल्म, टीवी के क्राइम पर आधारित धारावाहिक और वीडियो गेम की मारधाड़ और खूनखराबे को बार-बार देखने वाला बच्चा हिंसा के प्रति संवेदनशून्य हो जाता है और हिंसात्मक कृत्य उसके लिए आनंद की सामग्री बन जाते हैं।

आज के बचपन की स्थितियों को लेकर जब हम अपने आसपास गंभीरता से दृष्टिपात करते हैं, तो बच्चों का पूरा माहौल ही संवेदनाओं से कटा हुआ मिलता है। शिक्षा यांत्रिक हो चुकी है; यह बच्चों को तेज दिमाग वाला रोबोट बनाने में लगी है। अध्यापक के सामने भारी-भरकम पाठ्यक्रम पूरा करने की जिम्मेदारी है और विद्यार्थी के सामने इसे याद करने की चुनौती! छात्र-अध्यापक के बीच होने वाले अनौपचारिक संवाद समाप्तप्राय हैं। पारिवारिक परिवेश में आए बदलाव भी बच्चे पर गलत असर डाल रहे हैं। पहले बच्चे अपना अधिकतर समय परिवार के सदस्यों के बीच बिताते थे। माता-पिता, दादा-दादी से उनका सघन संवाद हुआ करता था। उन्हें भरपूर प्यार मिलता था तो गलती पर डांट भी! किन्तु अब ऐसा नहीं है।

रवींद्रनाथ ठाकुर का कथन है 'बच्चों का सम्पूर्ण मानसिक और शारीरिक विकास प्रकृति की गोद में ही संभव है।' इस कथन के पीछे बच्चों के मन में संवेदनात्मक और नैतिकता का भाव भरने का विचार था। बच्चे प्रकृति से कोमलता और उदारता सीखते हैं। पहले पारिवारिक जीवन में कई परंपराएं थीं, जो बच्चों को परिवेश से जोड़ती थीं। रसोई में सिंकने वाली पहली रोटी गाय की और आखिरी रोटी कुत्ते को दी जाती थी। बुजुर्ग चींटियों के बिल के आसपास आटा डालते थे। झारने-बीनने के बाद जो मरियल अनाज बचता था, उसे चिड़ियों के चुगने के लिए पेड़ के नीचे डालने की परंपरा थी। छोटे बच्चों के लिए इसमें भरपूर रोचकता थी। इससे वे गाय, कुत्ता, चींटी, चिड़िया से ही नहीं, बल्कि धीरे-धीरे ढेर सारे जीव-जंतुओं, वनस्पति, नदी, पहाड़, झरने से जुड़ते थे। इनको लेकर वे ढेर सारी कल्पनाएं करते थे। उनकी कल्पनाएं बेसिर-पैर की होती थीं, लेकिन यह उनके दिमाग को झाड़-पोंछकर साफ और सक्रिय रखती थीं।

आज कहा जाने लगा है कि दुनिया तर्क, विज्ञान, सूचना और वास्तविकता पर टिकी है। यथार्थ के नाम पर कल्पना, किस्से-कहानियों और कविता को भी खारिज कर दिया गया है। कल्पनाविहीन सृजनात्मकता की दुनिया में नैसर्गिकता का अभाव है। परिणामत: हर दिन ऐसा कुछ घटित हो रहा है, जो हमें चौंकाता है। बचपन जीवन की सबसे चुहलभरी अवस्था हुआ करता था। खाना-पीना, खेलकूद, बेफिक्री, हल्के-फुल्के झगड़े, फिर सुलह, दोस्तों संग मस्ती— यही होता था बचपन! मगर अब लगता है, बचपन आता ही नहीं।

आज का बचपन शुरू से ही दौड़ में शामिल हो जाता है। कम उम्र से पढ़ाई का दबाव, आगे रहने की चुनौती, हॉबी क्लासेज जैसे उपक्रमों के बीच बालजीवन की स्वाभाविकता ही समाप्तप्राय हो गई है। जबकि बचपन की उमंगों भरी हरकतें ही एक मजबूत व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। मजबूत व्यक्तित्व आक्रामक, गुस्सैल और हिंसक नहीं होता। बल्कि वह सृजनशील होता है और सृजनात्मकता कल्पना की देन होती है।

बचपन को कृत्रिम बेड़ियों से मुक्त करके सहज भाव से जीने दें, जिसमें पढ़ाई के साथ खेलकूद और यारी-दोस्ती की मस्ती हो, साथ ही प्रेम भरे स्नेहिल अहसास भी! बस इतने से ही बच्चों के मन में घर करती विध्वंस की धुंध साफ होने लगेगी।

तिथि और शुभ मुहूर्त

ऐसा माना जाता है कि विश्वकर्मा भगवान की पूजा कन्या संक्रांति के दिन हुई थी। यानि जिस दिन सूर्य ने कन्या राशि में प्रवेश किया था उसी दिन विश्वकर्मा जन्मे थे। इस बार विश्वकर्मा पूजा पर दो शुभ योग बन रहे हैं। विश्वकर्मा पूजा के दिन सुकर्मा योग और रवि योग बन रहा है। विश्वकर्मा पूजा के दिन सुकर्मा योग प्रातःकाल से लेकर दिन में 11 बजकर 42 मिनट तक है। उसके बाद से धृति योग बनेगा। वहीं रवि योग शाम के समय 4 बजकर 33 मिनट पर शुरू होगा और यह अगले दिन 17 सितंबर को सुबह 6 बजकर 7 मिनट तक मान्य होगा।

जय श्री विश्वकर्मा

शिल्प-शस्त्र का जग में ज्ञान विकास किया ...

विश्वकर्मा पूजा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। भगवान विश्वकर्मा को सृजन, निर्माण और वास्तुकला के देवता के रूप में हिंदू धर्म में पूजा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा विश्व के प्रथम वास्तुकार और निर्माता थे। वेदों में भी कई स्थानों पर विश्वकर्मा भगवान का जिक्र देखने को मिलता है। इसलिए उन लोगों के लिए है जो निर्माण, मशीनरी, और तकनीकी कार्यों से जुड़े हुए हैं, विश्वकर्मा पूजा बेहद अहम मानी जाती है। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर फैक्ट्री और दुकानों में मशीन, औजार आदि की पूजा करते हैं, वहीं कलम, दवात, बहीखाता, वाहन आदि की भी पूजा होती है। विश्वकर्मा पूजा उस दिन करते हैं, जिस दिन कन्या संक्रांति होती है।

पूजा का महत्व

विश्वकर्मा पूजा का महत्व उन लोगों के बीच बहुत अधिक है जो तकनीकी और निर्माण क्षेत्र में कार्यरत हैं, जैसे कि इंजीनियर, आर्किटेक्ट्स, मैकेनिक, और कारीगर। इस पर्व के जरिये लोग भगवान विश्वकर्मा से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और उनसे सफलता की प्रार्थना करते हैं। माना जाता है कि इस दिन, उपकरणों और मशीनों की पूजा करने से वो सुरक्षित रहती हैं और उनके जरिये कारीगरों को लाभ प्राप्त होता है। भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से व्यापार में तरक्की मिलती है। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी के आदेश पर विश्वकर्मा जी ने सृष्टि का मानचित्र बनाया था। इनको संसार का पहला इंजीनियर भी कहते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विश्वकर्मा जी ने पुष्पक विमान, द्वारका नगरी, सोने की लंका के अलावा देवी-देवताओं के अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था।

पूजन विधि

पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल की भी सफाई करें और गंगाजल का वहां छिड़काव करें। पूजा के लिए एक स्वच्छ और पवित्र स्थान आपको चुनना चाहिए। इस स्थान पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र आप स्थापित कर सकते हैं। पूजा स्थल को आप फूलों, आम के पत्तों और रंगोली से सजा सकते हैं।

पूजन सामग्री

पूजा के लिए आपको एक नारियल, सुपारी, पान, फूल, अगरबत्ती, दीपक, कपूर, रोली, चंदन, धूप, मिठाई, और फल आदि पहले ही पूजा स्थल के पास रख देने चाहिए। अगर आप चाहें तो जो कार्य आप करते हैं उससे जुड़े उपकरणों को भी पूजा के स्थान पर रख सकते हैं।

उपकरणों की होती है पूजा

विश्वकर्मा पूजा के दिन अपने काम से जुड़े सभी उपकरणों और मशीनों की पूजा करने का भी विधान है। इन पर हल्दी, चंदन, और फूल चढ़ाकर दीपक जलाएं और भगवान विश्वकर्मा से उनकी सुरक्षा और समृद्धि की प्रार्थना करें। कई जगहों पर इस दिन छुट्टी रहती है और केवल मशीन और औजारों की पूजा की जाती है।

ऐसे करें पूजा

सबसे पहले आपको भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र पर पुष्प, चंदन, रोली, और अक्षत (अटूट चावल) अर्पित करने चाहिए। इसके बाद धूप और दीप जलाकर भगवान का ध्यान आपको करना चाहिए और उन्हें मिठाई और फल अर्पित करने चाहिए। तत्पश्चात विश्वकर्मा चालीसा, आरती और अन्य स्तोत्रों का पाठ आप कर सकते हैं। अंत में, घर के लोगों में प्रसाद वितरण करें और भगवान से अपने कार्य में सफलता और समृद्धि की प्रार्थना करें।

हंसना मना है

शराबी की छत टपक रही थी ठीक डाइनिंग टेबल के ऊपर। प्लम्बर ने पूछा- आपको कब पता चला कि छत टपक रही है? शराबी- जब कल रात को मेरा पैग 3 घंटे तक खत्म नहीं हुआ।

अध्यापक-बताओ, शाहजहां कौन था? छात्र- जी, वह एक मजदूर था। अध्यापक-कैसे? छात्र- आपने ही तो कहा था कि शाहजहां ने कई इमारतों का निर्माण किया था।

मालिक ने अपने नौकर से कहा- मैं मार्केट जा रहा हूं, तुम दुकान का ध्यान रखना, अगर कोई ऑर्डर दे तो उसे अच्छे से पूरा करना। कुछ देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा- कोई ऑर्डर आया? नौकर ने कहा-जी हां, आया था, उसने ऑर्डर दिया कि दोनों हाथ ऊपर करके कोने में खड़े हो जाओ। मैंने ऑर्डर मान लिया और वह पैसे की तिजोरी उठाकर चला गया।

पत्नी-तुम कल पड़ोसन के साथ फिल्म देखने गए थे? पति - हां, क्या करूं? तुम तो जानती हो कि आजकल परिवार के साथ देखने लायक फिल्में बनती कहां हैं?

कहानी — भेष बदलने से स्वभाव नहीं बदलता

बात द्वापरयुग की है, अज्ञातवास में पांडव रूप बदलकर ब्रह्मणों के वेश में रह रहे थे। एक दिन उन्हें कुछ ब्राह्मण मिले। वे राजा द्रुपद की पुत्री द्रौपदी के स्वयंवर में जा रहे थे। पांडव भी उनके साथ चल दिए। स्वयंवर में पानी में देखकर ऊपर घूम रही मछली पर निशाना लगाना था। वहां मौजूद सभी ने प्रयास किया। लेकिन निशाना सिर्फ अर्जुन ही लगा पाए। शर्त के अनुसार द्रौपदी का स्वयंवर और इसके बाद शादी अर्जुन के साथ हुई। इसके बाद पांडव द्रौपदी को लेकर अपनी कुटिया में ले आए। एक ब्राह्मण द्वारा स्वंयवर में विजयी होने पर राजा द्रुपद को बड़ी हैरानी हुई। वह अपनी पुत्री का विवाह अर्जुन जैसे वीर युवक के साथ करना चाहते थे। अतः राजा द्रुपद ब्रह्मणों की वास्तविकता का पता लगाने के लिए राजमहल में भोज का कार्यक्रम रखा और उन ब्रह्मणों को भी बुलाया। राजमहल को कई वस्तुओं से सजाया गया। एक कक्ष में फल फूल तो दूसरे कक्ष में अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित किया गया। भोजन करने के बाद सभी अपनी मनपसंद चीजें देखने लगे। लेकिन ब्राह्मण वेशधारी अस्त्र-शस्त्र वाले कमरे में पहुंचे। यह सब कुछ राजा द्रुपद देख रहे थे। वे समझ गए यह ब्राह्मण नहीं, बल्कि क्षत्रिए हैं। मौका मिलते हैं उन्होंने ब्राह्मण वेशधारी युधिष्ठिर से पूछा, सच बताइए आप ब्रह्मण हैं या क्षत्रिए। युधिष्ठिर हमेशा सच बोलते थे। उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वे सचमुच क्षत्रिए हैं। और स्वयंवर जीतने वाले अर्जुन है। यह जानकर राजा द्रुपद बहुत प्रसन्न हुए, और सोचने लगे कि कोई अपना भेष भले ही बदल ले लेकिन विचार आसानी से नहीं बदल पाता है।

7 अंतर खोजें

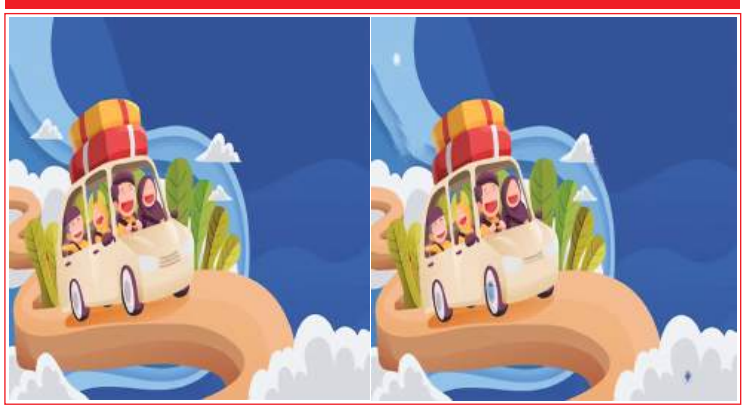

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज प्रसन्नता बनी रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक या आजीविका संबंधी समस्या का समाधान अचानक होगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा।

वृषभ

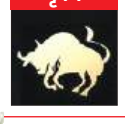

व्यापार ठीक रहेगा। नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है। संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कर्क

आज बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह

बाहरी क्षेत्र में दौड़धूप अधिक होगी। अपनी वाणी पर संयम रखें। व्यापारिक यात्रा में सावधानी रखें। अपनी ओर से घरेलू विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या

रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला

यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए।

वृश्चिक

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। अतिथियों का आवागमन होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे।

धनु

आज जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है।

मकर

धनलाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी।

कुम्भ

आज धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है।

मीन

व्यापार के रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है।

बॉलीवुड | री-रीलीज

फिर से सिनेमाघरों में देखिए वीर-जारा की प्रेम कहानी

फिल्म वीर जारा की री-रिलीज एडवांस बुकिंग के पहले दिन हजारों में टिकट बिके। फिल्म में शाहरुख खान और प्रीति जिंटा की रोमांटिक जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। यही वजह है कि फिल्म को एक बार फिर से सिनेममाघरों में रिलीज किया जा रहा है। पहले ही दिन एडवांस बुकिंग में फिल्म ने बाजी मार ली है। साल 2004 में रिलीज हुई यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा फिल्म वीर जारा फिर से सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में शाहरुख खान, प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी ने अहम भूमिका निभाई थीं। फिल्म में वीर प्रताप सिंह और जारा हयात खान के बीच सीमा पार की प्रेम कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और यह उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म में से एक थी। अब दो दशक बाद, प्रशंसकों को एक बार फिर से बड़े पर्दे पर जोया और वीर प्रताप सिंह की रोमांटिक लव स्टोरी देखने का मौका सिनेमाघरों में देखने को मिल रहा है बता दें वीर जारा को पूरे भारत में 250 स्क्रीन पर फिर से रिलीज किया गया है, जिसमें हर थिएटर में एक दिन में सिर्फ एक शो रखा गया है यशराज फिल्म्स ने शुरुआती बुकिंग में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीर जारा ने पीवीआर इनॉक्स और सिनेपोलिस जैसी प्रमुख सिनेमा चेन में अपने पहले दिन की एडवांस बिक्री के आखिर में 3,250 टिकट बिक चुके हैं। इस बीच, मूवीमैक्स चेन ने 300 से ज्यादा टिकट बेचे, जो इस हफ्ते की नई रिलीज, द बकिंघम मर्डर्स से बेहतर प्रदर्शन रहा। उम्मीद है कि फिल्म अपने पहले दिन 15-20 लाख रुपये कमा सकती है। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब यशराज फिल्म्स ने अपनी किसी फिल्म को फिर से रिलीज किया हो। स्टूडियो ने पहले भी अपनी कई क्लासिक फिल्में जैसे दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, दिल तो पागल है और मोहब्बतें को सिनेमाघरों में री-रीलिज किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध होने के बावजूद, वीर जारा को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

खुशकिस्मत हूं खाना बनाने का दबाव नहीं : सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल हिंदी सिनेमा के मशहूर कपल हैं। सोशल मीडिया पर दोनों अक्सर एक दूसरे के प्रति प्यार जताते नजर आते हैं। इसके अलावा दोनों अक्सर चर्चाओं में भी बने रहते हैं। दोनों इस साल 23 जून को शादी के बंधन में बंध गए थे। इस बीच अभिनेत्री ने शादी के बाद के जीवन को लेकर बात की है। उन्होंने हाल में ही कहा कि आजलकल महिलाएं शादी के बाद खाना बनाने का दबाव महसूस नहीं करती हैं, क्योंकि लोग ये समझते हैं कि अब उन्हें निजी कामों के अलावा पेशेवर कामों को भी संभालना पड़ता है। अभिनेत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मैं वास्तव में खुशकिस्मत हूं कि मुझ पर खाना बनाने का कोई दबाव नहीं है। मैं खाना बनाना भी चाहती हूं, तो यह इसलिए होगा क्योंकि मैं इसे करना चाहती हूं, मुझपर कोई दबाव नहीं होगा। इस दौरान उनके साथ उनके पति इकबाल भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री ने सत्तू का परांठा पकाया, जबकि इकबाल ने एवोकाडो सुशी तैयार किया। अभिनेत्री ने कहा कि यह पहली बार है, जब उन्होंने खाना बनाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि उनके इस प्रयास से उनकी मां पूनम सिन्हा काफी खुश होंगी। मैं बहुत दबाव में थी, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने काफी अच्छा किया। मैंने इसका आनंद लिया और मैं भविष्य में भी बहुत कुछ बनाना सीखना चाहूंगी। सोनाक्षी ने आगे कहा कि भारतीय भोजन उनका पसंदीदा व्यंजन है। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर अपनी यादों को भोजन से जोड़ना पसंद करती हूं। मैं जब बड़ी हो रही थी, तो मैं बहुत यात्रा करती थी। हर छुट्टी पर हम दादी से मिलने जाते थे, जो पटना में रहती थीं। वह हमें हमें लिट्टी चोखा, सत्तू के परांठे जैसे बेहतरीन बिहारी भोजन खिलाती थीं। मैं वास्तव में उन चीजों के लिए अब काफी तरसती हूं। इस दौरान सोनाक्षी ने कहा कि छुट्टियां मनाने के लिए उनकी पसंदीदा जगह गोवा है। वहीं, इकबाल ने कहा कि उन्हें केरल में घूमना काफी पसंद आता है।

शादी के बाद पहली बार पकाया सत्तू का पराठा

गणपति सेलेब्रिटी बप्पा बनके रह गए हैं :देवोलीना

मुंबई के लाल बागचा राजा गणपति दर्शन के वक्त आपाधापी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। लोग वहां आम लोगों से हो रही अभद्रता के भी आरोप लगा रहे हैं। इस बीच देवोलीना भट्टाचार्जी ने भी इससे जुड़ा ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है कि वह कई साल से वहां जा रही हैं लेकिन बीते साल कुछ ऐसा हुआ कि उनका मन हट गया। उन्होंने लिखा है कि वहां के गणपति सिर्फ सिलेब्स के भगवान बन कर रह गए हैं। देवोलीना ने अपने ट्वीट में लिखा है, मैं लालबाग करीब 10-11 साल से जा रही हूं। पिछले साल कुछ ऐसा हुआ कि मेरा मन नहीं किया वहां जाने का। मुझे पता है कि मैं इतनी प्रिविलेज्ड हूं कि वहां जाकर लालबागचा राजा का आशीर्वाद ले सकूं। इस बात के लिए मैं खुद को भाग्यशाली भी समझती हूं। लेकिन फिर दूसरे भक्तों के साथ जैसा बर्ताव किया जाता है उससे मुझे परेशानी होती है। देवोलीना आगे लिखती हैं, ईमानदारी से कहूं तो वे लोग भक्तों जिनमें वृद्ध महिला/पुरुष, प्रेग्नेंट लेडीज, छोटे बच्चे शामिल हैं, उनके साथ जिस तरह से बर्ताव करते हैं उससे मुझे घृणा हो गई। बप्पा सबके हैं, सबको उतनी ही इज्जत और सम्मान मिलना चाहिए। बप्पा सिलेब्रिटी बप्पा बनके रह गए हैं वहां इन लोगों की वजह से। साथ ही लालबागचा राजा से मेरा जो कनेक्शन मैं महसूस करती हूं वो हमेशा रहेगा। हाल ही में कुमकुम भाग्य एक्ट्रेस सिमरन बुधरूप ने भी लाल बाग पंडाल के बाउंसर्स पर बदसुलूकी का आरोप लगाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर घटना का वीडियो भी शेयर किया है। सिमरन ने यह भी लिखा है कि वे लोग उनका भी फोन छीन रहे थे लेकिन ये पता चला कि वह एक्ट्रेस हैं तो पीछे हट गए।

लाल बागचा राजा में भक्तों के साथ होता है गलत बर्ताव

अजब-गजब | यहां पूर्वजों को याद करने के लिए कब्र से निकालते हैं लाश

नए कपड़े पहनाकर पिलाते हैं सिगरेट!

दुनिया में जितने देश हैं, उससे कहीं ज्यादा मान्यताएं हैं। अलग-अलग देशों में ऐसे ऐसी जाति-समुदाय के लोग रहते हैं जो सालों से बड़ी ही विचित्र परंपराओं को मानते आ रहे हैं। ऐसी ही एक परंपरा इंडोनेशिया में रहने वाले एक समुदाय में है। ये लोग मरने के बाद अपने प्रियजनों को बेहद विचित्र ढंग से याद करते हैं। भारतीय परंपराओं की तरह इनके यहां भी साल में कुछ खास दिन होते हैं, जिसमें ये अपने पूर्वजों को याद करते हैं, पर सिर्फ पूजा-पाठ से ही नहीं याद रखते, बल्कि पूर्वजों की कब्र खोदकर उन्हें बाहर निकाल लेते हैं और फिर लाश को नहलाते-धुलाते हैं। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट के अनुसार इंडोनेशिया के साउथ सुलावेसी में ताना तोराजा इलाका है। यहां तोराजा जनजाति के लोग रहते हैं। ये लोग निर्जीव चीज को भी जीवित मानते हैं। इनका मानना है कि इंसान हो या जानवर, उन सब में आत्मा है और उनका सम्मान करना चाहिए। इस वजह से ये लोग प्रियजनों की मौत के बाद उन्हें तुरंत नहीं दफनाते। वो मौत पर जश्न मनाते हैं जो कुछ दिन बाद होता है। तब तक वो इसके लिए पैसे जुटाते हैं। अगस्त में फसल की बुआई से ठीक पहले ये त्योहार मनाया जाता है। इसकी तस्वीरें काफी भयानक होती हैं। ये लोग लाशों को उनकी कब्र से निकालते हैं। फिर उन्हें नहला-धुलाकर नए कपड़े पहनाते हैं। उनसे जीवित इंसानों की तरह बातें करते हैं, उनके साथ फोटो खिंचवाते हैं, उनके लिए खाने-पीने की चीजें बनाते हैं, उन्हें सिगरेट तक पिलाते हैं। इस जश्न के बाद वो उनकी कब्रों को साफ करते हैं और दोबारा उन्हें दफन कर देते हैं। हर साल वो ऐसा करते हैं। लाश को सुरक्षित रखने के लिए काफी सावधानी बरतते हैं। जिन लोगों की मृत्यु हाल ही में हुई होती है, उनकी लाशों को भी कुछ महीनों तक ये लोग अपने घर में ही रखे रहते हैं। जब जलसा होता है, तो उसमें लोग उत्साहित नजर आते हैं और नाच-गाना भी करते हैं। भैसों से लेकर सुअर तक की बली दी जाती है। जितना बड़ा-पैसे वाला आदमी होता है, उतने ज्यादा जानवरों को कटवाया जाता है। कई बार तो 100 सुअर और 10 तक भैंसों की बली दी जाती है। जानवरों के मांस को जलसे में आए लोगों को खिला दिया जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि छोटे बच्चों की लाशों को खोखले पेड़ों में दफनाया जाता है।

इस जेल को चलाते हैं खूंखार अपराधी, अंदर है बंदूकों का राज

आपने फिल्मों में देखा होगा कि जब खूंखार अपराधी जेल में बंद होते हैं, तो वो जेल के अंदर से अपने साम्रज्य को चलाते हैं। सभी काले कारनामे सलाखों के पीछे से भी चलते रहते हैं। ऐसा सिर्फ फिल्मों में ही नहीं, असल दुनिया में भी होता है। दुनिया में एक ऐसी जेल है, जो इस वजह से कुख्यात है। इसे बेहद खतरनाक जेलों में से एक माना जाता है। इस जेल में खूंखार अपराधी बंद हैं जो असल मायनों में इसे चलाते हैं। अंदर उनकी ही बंदूकों का राज है और ये भी माना जाता है कि वो अपने दुश्मनों को जेल में मौजूद मगरमच्छ को खिला देते हैं। डेली स्टार के अनुसार वेनेजुएला में एक जेल है जिसके अंदर छोटा सा चिड़िया घर है। इसमें फ्लैमिंगो पक्षी हैं, और मगरमच्छ भी मौजूद हैं। साथ ही जेल में अपना नाइट क्लब है। जेल में बहुत हिंसा होती है और पुलिस भी नहीं रोक पाती। जेल को कैदी ही चलाते हैं। उनको आसानी से हथियार मुहैया करा दिया जाता है। इस जेल का नाम टोकोरॉन जेल है। दावा किया जाता है कि कैदी अपने दुश्मनों को उस मगरमच्छ को खिला देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार जेल सालों से कैदियों के कब्जे में था पर पिछले साल सुरक्षाबलों की की मुठभेड़ ट्रेन डी एरागुआ गैंग के लोगों से हुई, जिसके बाद उन्होंने इस जेल पर कब्जा कर लिया। जब सरकारी सुरक्षाबल ने जेल में हमला किया, तब उन्होंने देखा कि अंदर अपराधी कितने ऐश-ओ-आराम से जिंदगी गुजार रहे हैं। जेल परिसर में कैदियों ने लाइन से घर बना लिया था जिसे देखकर वो छोटा-मोटा गांव लग रहा था। दिन के वक्त कैदी और उनका परिवार स्विमिंग पूल में मजे करता था और छतरी के नीचे धूप के मजे लेता था। रात में वो जेल के डिस्को में नाच-गाना करते और कसीनो में जुआ खेलते।

राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ता रहूंगा : केजरीवाल

तिहाड़ से निकल सीएम ने भरी हुंकार

» बोले- टूटा नहीं, हौसला 100 गुना बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तिहाड़ से बाहर निकलते ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हुंकार भरी कि वह टूटे नहीं, बल्कि उनका हौसला 100 गुना से भी ज्यादा बढ़ गया है। तेज बारिश और कार्यकर्ताओं के जोश के बीच आत्मविश्वास से लबरेज केजरीवाल ने कहा कि उनका जीवन देश के लिए समर्पित है। जो भी राष्ट्र विरोधी ताकतें देश के विकास को रोक रही हैं, देश को बांटने का काम कर रही हैं, वह उनके खिलाफ वह लड़ते रहेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का स्वागत करने तिहाड़ जेल से बाहर पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसद संजय सिंह व डॉ. संदीप पाठक, मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज समेत आप के कई नेता पहुंचे। इस मौके पर बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता भी मौजूद थे। तिहाड़ से बाहर निकलते ही कार्यकर्ताओं ने जेल के ताले टूट गए, केजरीवाल छूट गए, भ्रष्टाचार का एक ही काल, केजरीवाल- केजरीवाल के नारे लगाए। साथ में आतिशबाजी कर केजरीवाल का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के जोश का जवाब केजरीवाल ने अपने अंदाज में दिया। वंदे मातरम और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगवाने के बाद केजरीवाल ने अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने ईश्वर का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वह उन लाखों-करोड़ों लोगों का भी शुक्रिया अदा करते हैं, जिन्होंने उनके लिए मन्नतें मांगी, दुआएं की, आशीर्वाद भेजे और प्रार्थनाएं कीं।

जश्न मना लोगों को भ्रमित कर रही आप : बांसुरी

सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि केजरीवाल को ट्रायल में देरी होने की संभावना के कारण जमानत मिली है। लोगों को भ्रमित करने के लिए इस पर आप जश्न मना रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी पाया है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी तौर पर सही है। केजरीवाल ने दो अर्जी लगाई थी, जिसमें जानने की कोशिश की गई थी कि उनकी गिरफ्तारी कानूनी तौर पर सही है? और दूसरी मांग जमानत की थी। उन्होंने बताया कि ट्रायल कोर्ट व हाई कोर्ट की तरह सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि उनकी गिरफ्तारी कानूनी तौर पर सही है।

गृहमंत्री इस्तीफा दें : आप

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के संबंध में शीर्ष अदालत की तीखी टिप्पणी के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की कड़ी आलोचना की है और कहा कि इस केंद्रीय एजेंसी को पिंजरे में बंद तोते बन जाने की धारणा दूर करना चाहिए। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि न्यायालय की टिप्पणी न केवल जांच एजेंसी के खिलाफ थी, बल्कि केंद्र सरकार के खिलाफ भी थी। उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि इससे उन पर सवाल उठते है। उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा है। उनकी मंत्रिमंडलीय सहयोगी आतिशी ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आप नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

यूपी के 29 आईएएस अफसरों के तबादले

» लखनऊ, मेरठ और प्रयागराज समेत कई जिलों के बदले डीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 29 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। कई जिलों के जिलाधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। मेरठ-प्रयागराज और जौनपुर- मुजफ्फरनगर जैसे जिलों के डीएम शामिल हैं। सरकारी लिस्ट के अनुसार, सभी अधिकारियों को तत्काल नए पदों की जिम्मेदारी ग्रहण करने के निर्देश जारी हुए यूपी सरकार द्वारा जारी के आदेश के मुताबिक, बरेली की नगर आयुक्त निधि गुप्ता अमरोहा की डीएम, फिरोजाबाद के नगर आयुक्त घनश्याम मीना हमीरपुर, डॉ. दिनेश चंद्र को जौनपुर और जौनपुर के डीएम रविंद्र मंदर को प्रयागराज का डीएम बनाया गया है। मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा भंगारी को आगरा का जिलाधिकारी बनाया गया है। प्रयागराज के डीएम नवनीत चहल आजमगढ़ के डीएम बनाए गए हैं।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण के वीसी अरविंद चौहान को शामली का जिलाधिकारी बनाया गया है। शामली के जिलाधिकारी रविंद्र सिंह को फतेहपुर के डीएम बनाए गए हैं। बुलंदशहर के डीएम सीपी सिंह लखनऊ के नए जिलाधिकारी बनाए गए हैं। आगरा के डीएम भानु चंद्र गोस्वामी को प्रभारी राहत आयुक्त के पद पर तैनाती दी गई है। इसके अलावा पीसीएस देवेंद्र पाल सिंह बदायूं के नए नगर मजिस्ट्रेट बने हैं। नगर विकास विभाग के विशेष सचिव धर्मेंद्र प्रताप सिंह को शाहजहांपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। फतेहपुर की जिलाधिकारी इंदुमती को चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग की विशेष सचिव बनाया गया है। फिरोजाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त घनश्याम मीना को हमीरपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। हमीरपुर के जिलाधिकारी राहुल पांडेय हाथरस के डीएम बने हैं।

बंगाल सरकार को बदनाम करने के लिए विपक्षी साजिश कर रहे : कुणाल

» टीएमसी नेता का दावा- धरना दे रहे चिकित्सकों पर करवाया गया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने दावा किया कि कुछ विपक्षी सियासी ताकतों ने ममता बनर्जी सरकार और पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी को बदनाम करने के लिए प्रदर्शनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों पर हमले की साजिश रची है। स्वास्थ्य भवन के बाहर चिकित्सकों का धरना चौथे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शन कर रहे चिकित्सक विभाग के शीर्ष अधिकारियों को चिकित्सा महाविद्यालयों के भ्रष्टाचार में कथित तौर पर संलिप्तता की वजह से हटाने की मांग कर रहे हैं।

सांसद ने कहा हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान हो जाएगा। घोष ने कहा कि पार्टी के पास विश्वसनीय सूचना है कि कुछ वामपंथी और अति वामपंथी दल प्रदर्शनकारियों के बीच घुसपैठ करने और तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी सरकार को बदनाम करने के लिए हमले की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वाम दलों और भाजपा ने चिकित्सकों के धरना स्थल पर बड़े पैमाने पर अशांति फैलाने के लिए हाथ मिला लिया है ताकि वे तृणमूल कांग्रेस को बदनाम कर सकें।

सर्राफा व्यापारियों के साथ पुलिस ने की बैठक

» पुलिस व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध : विनय गौतम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले में सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा किया। घटना से सबक लेते हुए पुलिस अब ऐसी घटनाओं के रोकथाम के प्रयास में जुट गयी है। इसी क्रम में कादीपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी विनय गौतम ने कस्बा दोस्तपुर में थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी एवं सर्राफा व्यापारियों के साथ एक बैठक की, बैठक में विनय गौतम ने व्यापारियों की समस्याओं को समझा और कहा की पुलिस व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है, कस्बे में प्रमुख भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी।

व्यापारी खुद को जरा भी असुरक्षित न महसूस करें, पुलिस हमेशा उनके साथ है। व्यापारियों ने कहा कि वर्तमान समय में अपराध का दायरा बढ़ा है। अपराधी अपराध के लिए डिजिटल तरीकों का भी आये दिन इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे बचने के लिए व्यवसाय से जुड़े लोगों को सजग व सचेत रहना होगा। पुलिस अपराध रोकने के लिए पूरी तरह से तत्पर रहती है। इसके लिए व्यवसायियों को जागरूक होना होगा। साथ ही कस्बे में आये दिन लगने वाले जाम के मुद्दे पर भी चर्चा हुई, उन्होंने कहा कि उसके निदान के लिए प्रयास किये जायेगे।

बैठक में कई ज्वेलरी दुकानों के मालिक रहे उपस्थित

बैठक में शहर के विभिन्न ज्वेलरी दुकानों के मालिक मौजूद थे। बैठक के दौरान ज्वेलरी दुकानों में सिक्योरिटी गार्ड से लेकर सीसीटीवी को चुस्त दुरुस्त करने के साथ-साथ ठगी के लिए साइबर क्राइम रोकने के लिए जानकारी दी गयी। अक्सर अपराधी बाहर से आकर शहर में क्राइम करते हैं। बढ़ रहे क्राइम को कैसे रोका जाये, इसके लिए क्या क्या जरूरत है. इन सभी विषयों पर चर्चा की गयी. बैठक में व्यवसायियों ने भी अपना पक्ष रखा।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम में कांग्रेसियों को न बुलाने पर बवाल

» देवी अहिल्या विवि के कुलपति को दिया शिकायती पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में 19 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आएंगी। वे यहां पर छात्रों के दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। कार्यक्रम के लिए शहर के प्रमुख लोगों को निमंत्रण भेजे जाना शुरू हो गए हैं। कांग्रेस नेताओं और शहर के अन्य वरिष्ठों को निमंत्रण नहीं मिलने से इस पर बवाल हो रहा है। नाराजगी जाहिर करने के लिए इस बाबद ज्ञापन भी सौंपा गया है। विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यपरिषद सदस्य तेज प्रकाश राणे ने बताया कि महामहिम राष्ट्रपति महोदय 19 सितंबर को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में भाग लेने आ रही हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को निमंत्रण ना भेजने एवं नजरअंदाज किए जाने के विरोध में विश्वविद्यालय को शिकायत पत्र दिया गया है। राणे ने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़े कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को भी इसमें नहीं बुलाया गया है। बाकलीवाल, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल यादव, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता उमंग सिंघार और अन्य छात्र नेताओं एवं पूर्व कार्य परिषद सदस्यों को कार्यक्रम का निमंत्रण नहीं भेजा गया।

जीतू पटवारी, सज्जन सिंह, उमंग सिंघार को नहीं मिला निमंत्रण

विवि भाजपा कार्यालय के रूप में काम कर रहा : तेज प्रकाश

राणे ने कहा मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्रियों के इशारों पर विश्वविद्यालय प्रशासन भाजपा कार्यालय के रूप में काम कर रहा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का कार्यक्रम गैर राजनीतिक है। हम सब सहयोग करने के लिए तैयार हैं एवं सभी दलों के वरिष्ठ नेता एवं विश्वविद्यालय से जुड़े छात्र नेताओं को आमंत्रित करना चाहिए। इसी संबंध में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति डा. रेणु जैन के नाम शिकायत पत्र दिया गया है। इसमें हमने लिखा है कि तत्काल अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं को भी आमंत्रित किया जाए। इसके साथ डीएवीवी से पढ़े अधिकारी, न्यायाधीश, समाजसेवियों को भी आमंत्रित किया जाए।

सभी उपयुक्त लोगों को निमंत्रण जाएगा : कुलपति

प्रभारी कुलपति डॉ. रजनीश जैन एवं छात्र कल्याण विभाग के अध्यक्ष डॉ लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने कहा कि शिकायत पत्र लिया गया है। कार्यक्रम के लिए उपयुक्त सभी लोगों को निमंत्रण भेजा जा रहा है। कुलपति के संज्ञान में लाकर इस पर क्रियान्वयन करेंगे।

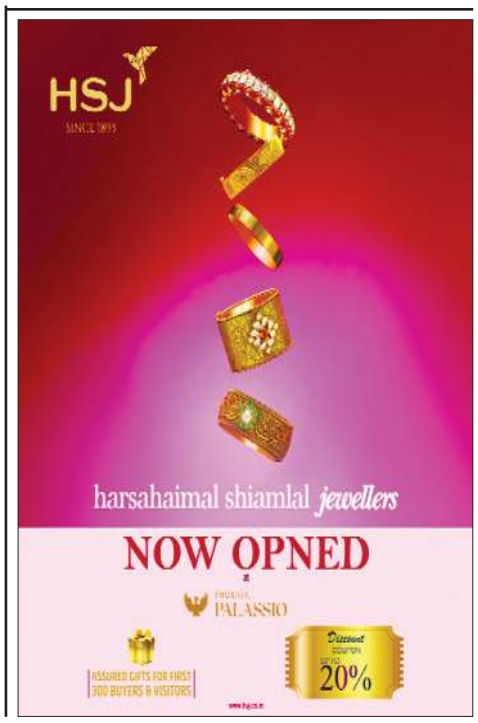

बीजेपी सरकार की वजह से बढ़ीं रेप की घटनाएं : पटवारी

» मप्र में सेना की महिला प्रशिक्षु रेपकांड में बवाल जारी

» महू और बैरसिया में हुई घटना को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । प्रदेश में हो रही लगातार घटनाओं को लेकर पीएससी के जीतू पटवारी ने बीजेपी को निशाने पर लिया है। उन्होंने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए जमकर निशना साधा है। पटवारी ने महू और बैरसिया मामले में बीजेपी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि महिलाओं के साथ होने वाले अपराध में बीजेपी के नेता शामिल है। दोनों मामलों में उच्च स्तरीय जांच की जाए। महू की घटना के पीछे भाजपा नेताओं के रिश्तेदार के नाम आए हैं।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राम सिंह दूसरे भाजपा नेताओं के रिश्तेदार है और कार्यकर्ता के नाम इस घटना में सामने आए हैं यह कैसे मैसेज है? जीतू पटवारी कि बयान का बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने जवाब देते हुए कहा है कि पटवारी अपनी कुर्सी बचाने के लिए झूठ बोल रहे हैं।

आरोपी के भाजपा नेताओं के साथ गहरे संबंध: जीतू

जीतू पटवारी ने कहा कि बैरसिया घटना के मुख्य आरोपी के भाजपा नेताओं के साथ गहरे संबंध है। नेताओं के साथ फोटो भी वायरल हो रही है। आरोपी अरमान मंसूरी भाजपा के पूर्व विधायक भक्तपाल सिंह राठौड़ के परिवार के करीबी है । इतना ही नही पूर्व विधायक ब्रह्मानंद रत्नाकर से भी करीबी रिश्ते है। दो दर्जन से अधिक बच्चियों की अश्लील फोटो विडियो बनाने का संदेह है। इस पर उचित जांच की जाए।

कुर्सी बचाने के लिए झूठ बोल रहे पटवारी : वीडी शर्मा

जीतू पटवारी के बयान पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी अपनी कुर्सी बचाने के लिए झूठ बोल रहे हैं। सरकार को आपके सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है। बीजेपी की सरकार में आरोपी बच नहीं सकते। बीजेपी सरकार में कानून, कानून की तरह ही काम करता है। जिन्हे झूठ बोलना है उनका क्या कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर, दो जवान बलिदान

बारामूला व किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। फिलहाल इलाके को सुरक्षाबलों ने घेर रखा है, साथ ही तलाशी अभियान चल रहा है। जानकारी के अनुसार, बारामूला के चक टप्पर क्रेरी पट्टन इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों ने तीन आंतकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है।

उधर, किश्तवाड़ में भी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इससे पहले शुक्रवार को किश्तवाड़ से 45 किलोमीटर दूर छात्रू इलाके में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान बलिदान हो गए। दो अन्य गंभीर रूप से घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर के कमान अस्पताल पहुंचाया गया। छात्रू अस्पताल के इंचार्ज डॉ. अशरफ गिरी ने दो जवानों के बलिदान की पुष्टि करते हुए बताया कि पार्थिव शरीर संबंधित सैन्य यूनिट को भेजे गए हैं। छात्रू इलाके के नायद गांव के ऊपरी इलाके के पिंगनाल दुग्गदा जंगल

क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शाहपुरशाल चलाया था। घेरा सख्त होता देख छिपे आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग में चार जवान घायल हो गए। घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

फायरिंग शुरू होने पर सेना के जवानों ने भी मोर्चा संभाला और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। उधर, मुठभेड़ शुरू होने के बाद किश्तवाड़ के साथ ही डोडा जिले में भी अलर्ट कर दिया गया है। अतिरिक्त नाके लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बलों की ओर से जगह-जगह औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल पर फोर्स को भेजा गया है।

भाजपा का तरीका है विपक्ष को फंसाओ और जेल भेजो : तेजस्वी

» अरविंद केजरीवाल की रिहाई पर भी दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कार्यकर्ता संवाद यात्रा के दौरान भाजपा और जांच एजेंसी पर हमला किया। उन्होंने यह बात दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत देने पर प्रतिक्रिया देने के दौरान दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पर साजिश के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था, जो कि भाजपा का तरीका है कि विपक्ष के नेताओ को फंसाओ डराओ और उनको जेल भेजो। कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए उनको जमानत दिया है, जिसका हम स्वागत करते हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि कोर्ट का जो ऑब्जरवेसन है, कोर्ट एजेंसियों को कड़े से कड़े शब्दों में फटकार लगा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार एजेंसियों को फटकार लगाई है, जिससे केंद्र की सरकार की किरकिरी हुई है। अगर कोर्ट के ऑब्जेरबेसन को देखा जाय तो साफ पता चलता है कि जितने भी सरकारी एजेंसी हैं, ईडी, सीबीआई भाजपा जो लिस्ट उन्हें मुहैया कराती है उसी लिस्ट के आधार पर यह एजेंसियां काम करती हैं। हम तो चाहते हैं कि साफ-सुथरा जांच हो लेकिन हमलोगों ने यह भी देखा है कि जो दूसरे पार्टी में रहते हैं उन्हें एजेंसी शमन कर चार्जसीट करती है और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। फिर अगले ही दिन वह व्यक्ति अगर भाजपा में शामिल हो जाता है तो चार्जसीट से उनका नाम ही गायब हो जाता है।

तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर 2025 में हमारी सरकार बनी तो मिथिलांचल डेवलोपमेन्ट ऑथोरिटी (एमडीए) का गठन किया जाएगा। यह ऑथोरिटी केवल और केवल मिथिलांचल

अपराधियों के संरक्षक हैं सीएम नीतीश कुमार

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह की मुलाकात पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने अनंत सिंह का नाम लिए बगैर सोशल मीडिया पर के सहारे तंज कसते हुए कहा कि जिस कथित अपराधी को पुलिस ने घर में एके-47 रखवाने के जुर्म में गिरफ्तार किया था, तीन-चार दिन पहले उसी से मिलने मुख्यमंत्री उसके घर गए थे। उन्होंने आगे लिखा है कि बीते दिनों छपरा के मढ़ौरा में ईंट उद्योग फैक्ट्री में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ था। इस मामले में जेडीयू के जिला महासचिव अखिलेश कुशवाहा को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही नालंदा में भी पुलिस ने जुआ खेलते 14 लोगों को गिरफ्तार किया था। मौके से शराब की खेप भी मिली थी। गिरफ्तार होने वालों में जनता दल यूनाइटेड का प्रखंड अध्यक्ष भी शामिल था।

के विकास, बेरोजगारी ओर पलायन को रोकने की दिशा में कार्य करेगा। कार्यकर्ता जनसंवाद कार्यक्रम में उन्होंने नेताओं से कहा कि बूथ स्तरीय कमेटियों में सभी वर्ग के लोगों को जगह देने की भी अपील की। नेता प्रतिपक्ष ने इस दौरान कार्यकर्ताओं को आपसी तालमेल की कमी को दूर कर आगामी चुनाव में नए उत्साह के साथ तैयार रहने की बात कही। तेजस्वी यादव ने कहा कार्यकताओं से कहा कि अपने अपने इलाके में मैं नहीं, हम की भावना से काम करें। उन्होंने कहा कि मिथिला क्षेत्र पर हमारी पैनी नजर है। इस बार यहां उम्मीदवारों के चयन पर हम खुद नजर रखेंगे।

धूमधाम से मना हिंदी दिवस, पीएम ने दी शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है, जिसके जरिए हिंदी का प्रचार प्रसार किया जाता है। हिंदी दिवस को आज के दिन इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर को ही 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया था। इसके बाद 1953 में राजभाषा प्रचार समिति ने इस दिन को मनाने का फैसला किया। इस दिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''हिंदी दिवस पर सभी देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर लोगों को हार्दिक

शुभकामनाएं दीं। देश की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी के 75 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि सभी भारतीय भाषाएं हमारा गौरव और विरासत हैं और उन्हें समृद्ध किए बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। कांग्रेस समेत कई सियासी दलों ने भी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

लोहिया जी से लेकर नेता जी तक ने हिंदी को बढ़ावा दिया : अखिलेश

लखनऊ। हिंदी दिवस पर भाषण देते हुए अखिलेश ने कहा कि आजादी के आंदोलन में हिंदी की विशेष भूमिका रही है। राम मनोहर लोहिया जी से लेकर नेता जी तक समाजवादियों ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने का काम किया है। हिंदी बढ़े और हिंदी के साथ-साथ सभी भारतीय भाषाएं बढ़ें और उर्दू बढ़े, यही कहते हुए मैं हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। हिंदी दिवस पर पूर्व सीएम ने कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की किताब कर्ण का भी अनावरण किया। महाभारत का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि दानवीर कर्ण जैसा उदाहरण कहीं नहीं देखने को मिलता। अभी कुछ देर पहले कुर्सी की बात हो रही थी। राजनीति में अपने कर्म, विचारों और सिद्धांतों का त्याग करना पड़ेगा, तो हम समाजवादी लोग तैयार रहेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि कर्ण के बारे में दिनकर जी से अच्छा कोई नहीं लिख सकता। उन्होंने शुद्र को लेकर जो कहा, उसमें भाव झलकता है। सपा-बसपा का गठबंधन भी कुछ ऐसा ही था। जो बाबा साहेब अंबेडकर और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया करना चाहते थे, लेकिन नहीं कर पाए।

मुझे मुख्यमंत्री पद की चिंता नहीं : ममता बनर्जी

डॉक्टर्स के धरने में पहुंची बंगाल की सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले को लेकर हजारों जूनियर डॉक्टर कोलकाता में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वास्थ्य विभाग के बाहर धरना मंच पर पहुंचीं, जहां जूनियर डॉक्टर वी वांट जस्टिस के नारों के बीच आंदोलन कर रहे हैं, इस दौरान सीएम ममता ने कहा, मैं आपका दर्द समझती हूं, इसलिए मै आपके साथ हूं, मुझे अपने पद की चिंता नही हैं, छात्र जीवन में मैने भी बहुत आंदोलन किया है। ममता के साथ

डीजीपी राजीव कुमार भी मौजूद थे। ममता के वहां पहुंचते ही अफ़रा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से अनुरोध किया कि उनको अपनी बात कहने का मौका दिया जाए। सीएम ने कहा,सबके साथ बातचीत होगी और दोषियों को सजा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सीबीआई से दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग करती हूं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।